No. of Printed Pages : 4

RTB-01

2023

सामान्य हिन्दी

प्रश्न-पत्र – I

GENERAL HINDI

Paper – I

निर्धारित समय : तीन घण्टे] ***[पूर्णांक : 200***

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 200***

नोट : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके अंत में इंगित हैं ।

(iii) उत्तर पुस्तिका के अन्दर कहीं भी अपना नाम या अनुक्रमांक न लिखें । पत्रादि के अन्त में क, ख, ग लिख सकते हैं ।

(iv) एक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यतः एक साथ दिया जाय ।

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **400** शब्दों का निबन्ध लिखिए : **40**

(क) भारत की वर्तमान शिक्षा नीति : बदलते आयाम

(ख) पत्रकारिता का गिरता स्तर समाज के लिए घातकः जिम्मेदार कौन ?

(ग) भूमण्डलीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

(घ) मानव अस्तित्व और पर्यावरण-संकट

(ङ) संचार-क्रान्ति एवं सामाजिक परिवर्तन

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा गद्यांश से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वाणी का संबंध ध्वनि से है । ध्वनि को नाद की संज्ञा दी गयी है । भारतीय चिंतकों ने नाद को ब्रह्म की उपासना का एक मार्ग बताया है । नाद के चार स्तर कहे गए हैं – परा, पश्यंती, मध्यमा और वैखरी । इनमें 'परा' आत्मा द्वारा उत्पादित ध्वनि मानी गयी है । 'पश्यंती' का उद्गम स्थल बुद्धि है और 'मध्यमा' हृदय में उत्पन्न होती है । इन तीनों से अलग 'वैखरी' है, जो कंठ से पैदा होती है ।

वास्तव में वाणी 'वैखरी' ही है । जो 'बिखरे' वह 'वैखरी' । यही एकमात्र 'श्रव्य ध्वनि' है । बोली और सुनी जा सकती है । पैदा की जा सकती है । सार्थक ध्वनि-समूहों से ऐसे शब्द और वाक्य बनाए जा सकते हैं, जिन्हें सुनकर दूसरों के द्वारा उनके अर्थों या संदेशों को समझा जा सकता है । ग्रहण किया जा सकता है । भाषा का सम्बन्ध 'वैखरी' से है ।

हमारी भाषा अतीत, भविष्य और दूरवर्ती घटनाओं से संबंध रखती है । हम बहुत समय पहले की बातों को भी अपने साथियों से कह सकते हैं । भविष्य की योजनाओं की चर्चा कर सकते हैं । स्मृति तथा बुद्धि हमारी भाषा के साथ निरंतर सक्रिय रहती है । हमारी भाषा संचार की मुक्त या उत्पादनकारी प्रणाली बनाती है । जानवरों की भाषा में कुछ ही नियत संकेत होते हैं । वे संकेत सीमित होते हैं । इसलिए उनकी संचार प्रणाली 'बंद' प्रणाली है । जबकि हमारी भाषा में कम संकेत होने पर भी, गिनती के स्वर एवं व्यंजन मिलकर, कई तरीक़ों से अगणित शब्द पैदा कर सकते हैं । नए-नए वाक्य बना सकते हैं । इससे हमारी भाषा को अभिव्यक्ति की अपार क्षमता मिल जाती है । मनुष्य को भाषा सीखनी पड़ती है । जो छोटा बच्चा बोलना सीखता है, तो वह कुछ शब्दों का प्रयोग वाक्य की तरह करता है । कुछ समय बाद वह उत्पादनकारी चरण की ओर कदम बढ़ाता है । वह पुराने ध्वनि-संकेतों को मिलाकर या उनको क्रमबद्ध करके नए संदेशों का निर्माण करता है । इस प्रकार भाषा सीखना हमारी भाषा का महत्त्वपूर्ण लक्षण है । मनुष्य में ही यह क्षमता है कि वह ध्वनियों को जोड़ कर नूतन शब्दों, नवल वाक्यों का सृजन कर सकता है । वे ध्वनियाँ जिनको मनुष्य सोच-समझ कर निकालता है, उन्हें हम वाणी कहते हैं और इन सार्थक ध्वनियों का योग 'भाषा' कही जाती है ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **5**

(ख) मूल गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । **20**

(ग) उपर्युक्त गद्यांश के रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए । **15**

3. (क) कार्यालय ज्ञापन और कार्यालय आदेश में क्या अन्तर है ? इनमें से किसी एक का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए । **15**

(ख) शासकीय और अर्द्धशासकीय पत्रों में क्या अन्तर है ? उदाहरण देकर समझाइए । **15**

4. (क) किन्हीं **पाँच** शब्दों के **चार-चार** पर्यायवाची शब्द लिखिए : **10**

(1) इन्द्र
(2) तुषार
(3) हनुमान
(4) हाथी
(5) समर
(6) राक्षस
(7) ब्राह्मण
(8) केश

(ख) किन्हीं **पाँच** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : **5**

(1) आर्द्र
(2) उर्वरा
(3) घातक
(4) ध्वंस
(5) वक्र
(6) ह्रस्व
(7) हेय
(8) यथार्थ

(ग) किन्हीं **पाँच** शब्दों में से प्रत्येक के समास का नाम लिखिए : 5

(1) घुड़सवार

(2) अंधकूप

(3) नवग्रह

(4) क्रोधाग्नि

(5) ऊँच-नीच

(6) चक्रपाणि

(7) प्रतिदिन

(8) आरामकुर्सी

5. (क) किन्हीं **पाँच** वाक्यांशों का चयन करते हुए प्रत्येक के लिए **एक-एक** शब्द लिखिए : 5

(1) प्रिय बोलने वाली स्त्री ।

(2) जिसके हृदय में दया, ममता न हो ।

(3) रात में घूमने वाला ।

(4) वन में वृक्षों की रगड़ से अपने-आप से लगने वाली आग ।

(5) जिसने निद्रा पर विजय प्राप्त कर ली है ।

(6) जो उपकार को न माने ।

(7) कम खर्च करने वाला ।

(8) जीने की प्रबल इच्छा ।

(ख) किन्हीं **पाँच** मुहावरों एवं लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्य-प्रयोग कीजिए : 15

(1) हाथ-पाँव मारना ।

(2) सिर आँखों पर बिठाना ।

(3) मुट्ठी गरम करना ।

(4) पैरों तले से ज़मीन खिसकना ।

(5) दो-टूक जवाब देना ।

(6) अपनी-अपनी ढपली (डफली) अपना-अपना राग ।

(7) हाथ कंगन को आरसी क्या ।

(8) थोथा चना बाजे घना ।

6. निम्नलिखित गद्यांश का **अंग्रेजी** में अनुवाद कीजिए : 25

पढ़ने की संस्कृति विशेष परिवेश में पोषित होती है । यह वह परिवेश है, जहाँ पढ़ने में महारत हासिल की जाती है, पढ़ने को महत्त्व दिया जाता है, इसका सम्मान किया जाता है और इसे बढ़ावा दिया जाता है । पढ़ना पाठ्यक्रम के केन्द्र में होना चाहिए क्योंकि यह विद्यार्थियों की व्यक्तिगत, सामाजिक और शैक्षिक सफलता के साथ उसके कल्याण के लिए भी महत्त्वपूर्ण है । पढ़ने की संस्कृति का सृजन करना किसी एक व्यक्ति का दायित्व नहीं होना चाहिए । इसके लिए समर्पण, अध्यवसाय और प्रयास की आवश्यकता होती है । इसकी अगुवाई उत्साही और समर्पित वरिष्ठ नेतृत्व दल द्वारा की जानी चाहिए । प्रत्येक छात्र-छात्रा, माता-पिता और विद्यालय के प्रत्येक सदस्य द्वारा इसकी वक़ालत की जानी चाहिए । पढ़ना जीवन की आदत में शुमार होना चाहिए । माता-पिता द्वारा घर का ऐसा वातावरण बनाना चाहिए कि बच्चों में पढ़ने के प्रति प्रेम को बढ़ावा मिले ।

ऐसा सुनिश्चित करने के लिए कि बच्चों को पढ़ने में कठिनाई नहीं हो और उनमें अभिप्रेरण की कमी का अनुभव न हो, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विद्यार्थी बचपन से ही प्रवाहपूर्ण तरीक़े से पढ़ सके । जहाँ विद्यार्थी पढ़ने के प्रति उदासीन हों, नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हों और जिनके पढ़ने की उम्र सामान्य से कम हो, वहाँ पढ़ने की संस्कृति पैदा करना मुश्किल हो सकता है, पर असंभव नहीं ।

7. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांश का **हिन्दी** में अनुवाद कीजिए : 25

Yeats was an Irish man, but he takes his place, among the great English poets of the age. His greatness as a poet is now an accepted fact. Tributes to his greatness have been paid from time to time by eminent poets and critics of the day.

For one thing, Yeats is great by virtue of the bulk and variety of his poetry, and critics agreed that very few of his poems can be regarded as definitely inferior. His work is uniformly good even though he writes on such varied subjects as ancient legend, mythology, folklore, politics, history, love and he constantly makes new myths of his own. His creative range is immense, he writes with perfect ease and mastery on themes taken from every possible sphere of life, and a high standard of performance is maintained throughout.

The period of poetic activity in his case expanded over forty years, and during this period he was constantly becoming, maturing and growing different from what he was in the beginning. There is no sudden change or break in continuity, but a slow evolution, and the germs of the future are to be found in what has gone before. His early poetry is romantic while the later one is realistic.